

मुख्यमंत्री ने महाराणा प्रताप सर्किट, तनोट माता व पूंछरी का लौठा के विकास कार्यों की समीक्षा की

जयपुर, 30 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकास के साथ-साथ राज्य सरकार आस्था धामों और पर्यटन स्थलों के विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, प्राचीन धरोहर और धार्मिक पर्यटन स्थलों के विकास और पुनर्विकास कार्यों को प्राथमिकता देते हुए एतय समय में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही, ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए विशेष प्रकोष्ठ के गठन के निर्देश दिए।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पूंछरी का लौठा और तनोट माता मंदिर के विकास और पुनर्विकास कार्यों के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आमजन को वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के जीवन से परिचित करने तथा उनके शौर्य की गाथा जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट विकास कर रही है। इस सर्किट में महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विभिन्न स्थलों, जैसे चावंड, हल्दीघाटी, गोगुंदा, कुंभलगढ़ , दिवेर, उदयपुर आदि को सम्मिलित किया गया है, जिसके लिए 1०0 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

शर्मा ने अधिकारियों को जैसलमेर स्थित तनोट माता मन्दिर में पुनर्विकास

अब तीसरी कक्षा से एआई की पढ़ाई होगी

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर। शिक्षा मंत्रालय ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को आगे बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि स्कूलों में कक्षा तीन से आगे एआई पर पाठ्यक्रम शुरू किया जायेगा।

शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने भविष्य के लिए तैयार कक्षा के आवश्यक घटकों के रूप में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और

- शिक्षा मंत्रालय ने यह घोषणा की और बताया कि सीबीएसई ने इसके लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।**

कम्प्यूटेशनल थिंकिंग को आगे बढ़ाने के लिए आज अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। मंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग (एआई और सीटी) सीखने, सोचने और सिखाने की अवधारणा को सुदृढ़ करेगी और धीरे-धीरे "सार्वजनिक हित के लिए एआई" के विचार की ओर विस्तारित होगी। यह पहल जटिल चुनौतियों को हल करने के लिए एआई के नैतिक उपयोग की दिशा में एक नया, लेकिन महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि यह तकनीक कक्षा तीन से शुरू होगी।

ट्रंप और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आपूर्ति जारी रखने पर सहमत हो गया है। रैंजर अर्थ मेटल और महत्वपूर्ण खनिज की आपूर्ति बहाल होने से अमेरिका के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माताओं को काफी राहत मिलेगी।

रूस और अमेरिका के पास लगभग 1,550 परमाणु हथियार हैं, जबकि चीन के पास लगभग 1,000 परमाणु हथियार होने का अनुमान है। इनके अलावा भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इज़रायल के पास भी परमाणु हथियार हैं, और कुछ अन्य देश भी इस दिशा में प्रयासरत हैं।

इतने विशाल परमाणु भंडार हैं कि यदि इनका केवल एक हिस्सा भी विस्फोटित हो जाए, तो पूरी दुनिया में प्रलय जैसी स्थिति बन जाएगी और मानव सभ्यता खत्म हो सकती है। इसान शाब्द फिर से गुफाओं में लौटने को मजबूर हो जाए।

द्वितीय विश्व युद्ध के तुरंत बाद दुनिया दो हिस्सों में बंट गई थी, एक ओर पश्चिमी लोकतांत्रिक देश थे और दूसरी ओर साम्यवादी (कम्युनिस्ट) देश। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बर्लिन ने उस समय अपने प्रसिद्ध भाषण में कहा था कि युद्ध के बाद के यूरोप पर “लोहे का

उन्होंने ऐतिहासिक इमारतों के निर्माण के लिए विशेष प्रकोष्ठ का गठन करने के निर्देश दिए



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट, पूंछरी का लौठा और तनोट माता मंदिर के विकास और पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा की।

कार्यों की समीक्षा करने तथा श्रद्धालुओं के ठहरने की उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने पूंछरी का लौठा और

गोवर्धन परिक्रमा के प्रगतिरत विकास कार्यों के संबंध में अधिकारियों को निविदा प्रक्रिया में गति लाने के लिए कहा, उन्होंने कहा कि विभिन्न चरणों में

बूसान में हैंड शेक के बाद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पृथक्करण और चुंबक निर्माण की क्षमता अभी भी नहीं है। परिणामस्वरूप, भारत वही प्रसंस्कृत सामग्री आयात करता है, जिसे वह सिद्धांत रूप में स्वयं उत्पादन कर सकता है।

खान मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, “भारत की निर्भरता संरचनात्मक है, न कि परिस्थितिजन्य, “हमारे पास अयस्क (ओर्स) हैं, लेकिन तकनीक नहीं है। बूसान समझौता सांस लेने की जगह देता है, स्वतंत्रता नहीं।”

यह समझौता निकट भविष्य में भारतीय उद्योग के लिए फायदेमंद है। कम कीमतें और आश्चस् आपूर्ति से ईवी, पवन, और इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता, जैसे टाटा मोटर्स, महिंद्रा इलेक्ट्रिक, और सुजलोन को उत्पादन की योजना बनाने में मदद मिलेगी, वो भी बिना उतार-चढ़ाव के। लेकिन खनन और प्रसंस्करण कंपनियां दबाव महसूस कर सकती हैं। परमाणु खनिज निदेशालय के पूर्व निदेशक के राजन चेतावनी देते हैं, “अगर चीन उत्पादन बढ़ाता है, तो कीमतें गिर जाएंगी, जो स्थानीय प्रसंस्करण निवेश को हतोत्साहित करेगा। कम लागत की बजाय स्थिरता चाहिए।”

भारत एक महत्वपूर्ण खनिज

जस्टिस सूर्यकांत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगला मुख्य-न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत देश के 53 वें मुख्य न्यायाधीश होंगे और उनका कार्यकाल करीब 15 महीने का होगा। वह फरवरी 2027 में सेवानिवृत्त होंगे। उन्हें मई 2019 में उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया था।

इससे पहले वह 2018 में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य

न्यायाधीश बनाए गए थे। हरियाणा के हिसार में 10 फरवरी 1962 को जन्में न्यायमूर्ति सूर्य कांत ने 1984 में कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद हिसार के जिला न्यायालय में वकालत शुरू की और उसके बाद 1985 में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ में वकालत की। वे जनवरी 2004 में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के अस्थायी न्यायाधीश बनें। वे संवैधानिक, सेवा और सिविल मामलों के विशेषज्ञ हैं।

पदी” (आयरन कंटन) गिर गया है, जिसेने पश्चिम और साम्यवादी पूर्व के बीच दीवार खड़ी कर दी है।

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शुरू हुआ यह टकराव सत्ता और वर्चस्व की लड़ाई में बदल गया। दुनिया दो हिस्सों में बंट गई, जो औपनिवेशिक (कलोनियल) काल के प्रभाव की तरह थी। लेकिन सोवियत संघ के टूटने और विकासशील देशों के उभरते आर्थिक बल बनने के बाद यह पुरानी व्यवस्था धीरे-धीरे बिखरने लगी।

अमेरिका ने जब राष्ट्रपति निकसन के नेतृत्व में चीन के साथ राजनयिक संबंध फिर से शुरू किए, अपने विदेश नीति सलाहकार हेनरी किसिंजर की पहल पर, उसके बाद से वैश्विक व्यवस्था में बड़ा बदलाव आया।

इसके सामानांतर अमेरिका और सोवियत संघ ने महसूस किया कि परमाणु हथियारों की दौड़ व्यर्थ है, और उन्होंने अपने परमाणु भंडार सीमित करने के लिए कई समझौते किए। इन समझौतों में सबसे प्रसिद्ध परमाणु शस्त्रागार संधि थी, जिसे “स्टार्ट ट्रीटी” कहा जाता है। यह 1990 के दशक से लागू रही और अब समाप्त होने वाली है।

अलास्का के एंकोरेज में अपनी पिछली बैठक में रूस के राष्ट्रपति

बिहार चुनाव को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल हैं, को निष्कासित करने पर मजबूर होना पड़ा है। निष्कासन की यह लहर सभी राजनीतिक दलों में देखी गई है। भाजपा को पिछले कुछ हफ्तों में करीब 20 नेताओं को निष्कासित करना पड़ा, जिनमें काहलगांव विधायक पवन कुमार यादव और चार बार के परई विधायक अशोक कुमार सिंह शामिल हैं।

जेडीयू ने 16 नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया है, जिनमें पूर्व मंत्री शैलेश कुमार, पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह और सुदर्शन कुमार, और पूर्व विधान परिषद सदस्य (एम एल सी) संजय प्रसाद और रणविजय सिंह शामिल हैं।

जेडीयू ने 16 नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया है, जिनमें पूर्व मंत्री शैलेश कुमार, पूर्व विधायक श्याम बहादुर सिंह और सुदर्शन कुमार, और पूर्व विधान परिषद सदस्य (एम एल सी) संजय प्रसाद और रणविजय सिंह शामिल हैं। गोकलपुर से चार बार के विधायक रहे गोपाल मंडल को भी पार्टी से बाहर किया गया, और जेडीयू नेटवर्क ने इस सीट से हाल ही में आर जे डी छोड़कर बूली मंडल को उम्मीदवार बनाया।

राजद ने भी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण 27 नेताओं को निष्कासित किया है। निष्कासित नेताओं में पार्टी के मौजूदा विधायक छोटे लाल राय (पारसा) भी शामिल हैं। इसके अलावा, गोबिंदपुर के विधायक मोहम्मद कमरान, और पूर्व

सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से

नयी दिल्ली, 30 अक्टूबर। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने गुरुवार को बोर्ड परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा करते हुए बताया कि 1०वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी 2026 से शुरू होंगी।

सीबीएसई ने पहली बार परीक्षा शुरू होने से 11० दिन पहले डेटशीट जारी की है। दसवीं की परीक्षा 17 फरवरी से 10 मार्च तक और 12वीं की 17 फरवरी से 09 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। परीक्षाएं विषयों के अनुसार सुबह 1०:30 बजे से दोपहर 12:3० बजे और दोपहर 1:30 बजे तक आयोजित की जाएंगी।

सीबीएसई ने कहा कि दोनों कक्षाओं में विद्यार्थियों द्वारा लिए जाने वाले दो विषयों के बीच प्थॉप अंतराल दिया गया है। कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षाओं की तिथियों को ध्यान में रखा गया है, और बोर्ड परीक्षाएं प्रवेश परीक्षाओं से काफी पहले समाप्त करने का प्रयास किया गया है।

भारतीय सेना के “ त्रिशूल ” सैन्य अभ्यास से दहला पाकिस्तान

यह अभ्यास पाकिस्तान के लिए स्पष्ट संदेश है कि भारत अपनी सीमा की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर है

- जाल खंबाता -

- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो - नई दिल्ली, 30 अक्टूबर। भारत के मेगा त्रिस्तरीय सैन्य अभ्यास त्रिशूल ने पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया है। इसका उद्देश्य पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश देना है कि भारत अपनी सीमा की रक्षा के लिए मुस्तैद है और आवश्यकता पड़ने पर मई में ऑपरेशन सिंदूर के बाद की स्थिति में और आगे कदम उठाने की भी तैयार है।

भारत ने गुरुवार को त्रिशूल की शुरुआत के साथ अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन किया। यह 12 दिनों तक चलने वाला एक त्रिस्तरीय सैन्य अभ्यास है, जो पाकिस्तान सीमा पर आयोजित हो रहा है, और यह ऑपरेशन सिंदूर के छह महीने बाद भारत के पहले युद्धाभ्यास के रूप में सामने आया है।

त्रिशूल में विशेष बलों (स्पेशल

- तीनों सेनाओं का यह 12 दिवसीय अभ्यास गुजरात व राजस्थान में हो रहा है, पर इसका प्रमुख फोकस गुजरात में कच्छ का रन क्षेत्र है।**

फोर्सें।) के कमांडो, मिसाइल बैटरियां, युद्धपोत, युद्धक टैंक, और हमला करने वाले विमान, जिनमें राफेल और सुखोई एस यू–30 शामिल हैं, पाकिस्तान के दक्षिणी क्षेत्र में आक्रामक हमलों का अभ्यास करेंगे, ताकि, सिंदूर के बाद के परिदृश्य में, भारतीय सशस्त्र बलों की तत्परता का परीक्षण हो सके।

यह अभ्यास गुजरात और राजस्थान में होगा, लेकिन ध्यान विशेष

रूप से गुजरात के कच्छ क्षेत्र पर केंद्रित होगा, जो पाकिस्तान के साथ एक नया सीमा विवाद स्थल हो सकता है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस महीने के शुरू में पाकिस्तान को चेतावनी दी थी कि वह भारत के हिस्से वाले सिर क्रीक को अवैध रूप से कब्जाने की कोशिश न करें, जो गुजरात के कच्छ रण और पाकिस्तान के बीच स्थित एक संकरी और विवादित जल–पट्टी है, जिसकी लंबाई 1०0 किलोमीटर से कम है।

कागजों पर यह दोनों देशों के बीच घुर पश्चिमी सीमा है; अर्थात, क्रीक का पश्चिमी भाग पाकिस्तान के है और पूर्वी भाग भारत का। राजनाथ सिंह ने गुर्जना के स्वर में कहा था कि भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने के किसी भी प्रयास का जवाब “इतिहास और भूगोल” को बदल कर रख देगा।

चाबहार बंदरगाह पर अमेरिकी प्रतिबंधों में भारत को मिली छह महीने की छूट

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रैस ब्रीफिंग में यह जानकारी दी

- अमेरिका ने पिछले महीने संयुक्त राष्ट्र की ईरान पर परमाणु कार्यक्रम को लेकर लागायी गई पाबंदियों के मद्देनजर भारत के चाबहार बंदरगाह के संचालन को लेकर प्रतिबंधों की घोषणा की थी।**

- भारत ने इस बंदरगाह को संचालन के लिए दस वर्ष के लिए लीज पर लिया हुआ है।**

- भारत के लिए यह बंदरगाह अफगानिस्तान, मध्य एशिया और पूर्वी रूस तक व्यापार के लिए सुगम मार्ग प्रदान करता है।**

के लिए दस वर्ष के लिए लीज पर लिया हुआ है।

अमेरिका ने प्रतिबंधों की घोषणा करते हुए कहा था कि इसके संचालन पर 29 सितम्बर से चुर्माना लागाया जायेगा। बाद में कहा गया कि ये प्रतिबंध एक महीने बाद यानी, 27 अक्टूबर से लागू होंगे। अब भारत को छह महीने, यानी अगली अप्रैल तक प्रतिबंधों में

छूट दे दी गयी है।

भारत के लिए यह बंदरगाह अफगानिस्तान, मध्य एशिया और पूर्वी रूस तक व्यापार के लिए सुगम मार्ग प्रदान करता है।

इस बंदरगाह को लेकर भारत और ईरान के बीच 2०16 में समझौता हुआ था।

उल्लेखनीय है कि डॉनल्ड ट्रंप के

1 7 बच्चों को बंधक बनाने वाले आरोपी रोहित की पुलिस मुठभेड़ में मौत

- सूत्रों के अनुसार पुलिस जब बच्चों को छुड़ाने का प्रयास कर रही थी तब आरोपी ने गोली चला दी पुलिस ने भी जवाब में गोली चलाई जिससे आरोपी घायल हो गया व अस्पताल में उसकी मौत हो गई।**

भी उसी दौरान मौके पर पहुंच गयी।

पुलिस ने बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए इलाके की घेराबंदी कर की और इलाके के लिए हाई अलर्ट जारी कर दिया। किसी भी संभावित स्थिति से निपटने के लिए अधिकारियों ने आपतकालीन सेवाओं को भी तैनात कर दिया था। इसी दौरान, आरोपी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया, जिससे मामला और भी ज्वादा गरमा गया। वीडियो में रोहित ने कहा कि उसने अपनी जान देने की बजाय, बच्चों को बंधक बनाने का फैसला किया है।

उसने कहा कि उसकी कुछ साधारण और नैतिक मांगें हैं और वह कुछ लोगों से सवाल पूछना चाहता है। आर्या ने वीडियो में यह भी कहा कि वह आतंकवादी नहीं है और उसकी कोई आर्थिक माँगें नहीं हैं। उसने कहा कि उसने एक योजना के तहत बच्चों को बंधक बनाया है। साथ ही, उसने धमकी दी कि किसी ने जरा सी भी गलती की तो वह पूरे परिसर में आग लगा देगा।

पुलिस ने लगातार प्रयासों के बाद स्टूडियो से सभी 17 बच्चों को सफलतापूर्वक बचा लिया और रोहित को हिरासत में ले लिया।

प्र.मंत्री छठ पर्व को यूनैस्को से सांस्कृतिक विरासत घोषित करवाने में जुटे

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार में एक जनसभा में यह जानकारी दी

- बिहार में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में छठ पर्व का मुद्दा काफी गर्म है।**

- प्रधानमंत्री ने कांग्रेस और राजद पर आरोप लगाया कि वे “छठी महड़ा्य” का अपमान कर रहे हैं, जबकि वे खुद छठ पर्व को दुनिया भर में पहचान दिलाना चाहते हैं।**

(या स्थानीय बोली में “मैया”) की पूजा की जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, “आपका (यह) बेटा छठी मैया की पूजा दुनिया के सामने कर रहा है, जबकि कांग्रेस और राजद नेता छठी मैया का अपमान कर रहे हैं। क्या कोई चुनाव में वोट पाने के लिए छठी मैया का अपमान कर सकता है? क्या बिहार इस प्रकार के अपमान को सहन करेगा? क्या मेरी मातंग, जो निर्जला उपवास करती हैं, इसे सहन

करेंगी? पीएम मोदी ने सवाल किया। जनता ने एक स्वर में जवाब से “नहीं” कहा। प्रधानमंत्री ने कहा, “राजद और कांग्रेस कितनी बेहया बात कर रहे हैं? उनके लिए छठी मैया की पूजा सिर्फ एक नाटक है, एक मकरं?” उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा अपमान लोगों की स्मृति में सदियों तक रहेगा।” बिहार आत्मसम्मान की भूमि है। बिहार उन लोगों को कभी माफ नहीं करेगा, जिन्होंने छठ पूजा का अपमान किया है।”

^[1] राष्ट्रदूत (एचयूपएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रियल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं०. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायवा हाऊस, खजुरीत शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हथवा, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आषाढ़ मैग रोड आषाढ़, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चूंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालौर कार्यालय :- जी1/63, इन्डस्ट्रियल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन726422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डीनसिटी कार्यालय :- जी1-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डीनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरु कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरु, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908